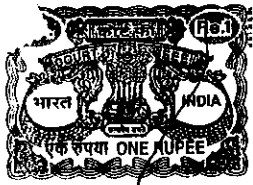
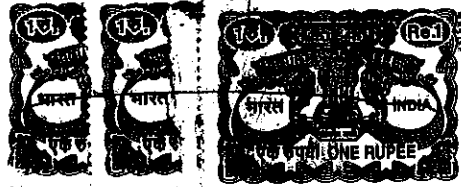


श्रीमान् सवस्य महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किल कोर्ट रोवा, जिला

140

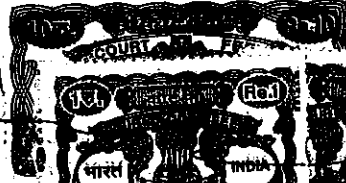
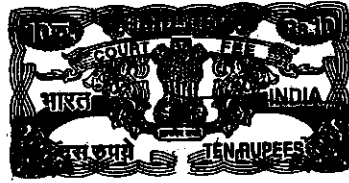
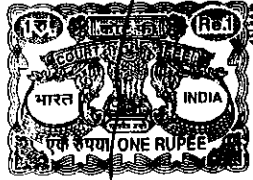


रोवा म०प्र०

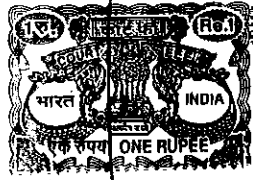
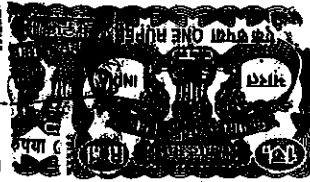


RS 5054-II/16

प्रकरण क्रमांक



RS 301



1- सरपंच ग्राम पंचायत दात्र बरगवा

म०प्र०



2- सचिव, ग्राम पंचायत दात्र बरगवा, जनपद पंचायत केवसर जिला

सिराही म०प्र०

आवेदकाण/निराकारण

विरुद्ध

अधिवक्ता श्री रामाशुभ्रकुला,
बारापिथा 6-10-16
राजस्व मण्डल ग्वालियर
(सर्किल कोर्ट) रोवा

1- शमशेर अली वान पिता आसिक अली खान निवासो ग्राम बरगवा,
तहसील केवसर जिला सिराही म०प्र०

2 शासन म०प्र०

आवेदकाण/गरीनाराकारण

निरानी विरुद्ध आवेश न्यायालय अमर आयुक्त
महोदय रक्षा संगम रोवा के राजस्व प्रकरण
क्रमांक 85/ पुनर्विलोकन / 20 15-16 में पारित
आवेश दिनांक 9-9-20 16 ई०

निरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० मुराजस्व
संहिता सन 19 59 ई०

महोदय,

प्रकरण का संक्षिप्त तथ्य

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक 5054-दो/16 निगरानी

जिला सिंगरोली

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
15-09-17	<p>यह निगरानी अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के प्रकरण क्रमांक 85/15-16 पुनरावलोकन में पारित आदेश दिनांक 14-10-15 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदकगण के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के आदेश दिनांक 9-9-2016 के अवलोकन से प्रतीत होता है कि अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा ने प्रकरण क्रमांक 85/15-16 पुनरावलोकन में पारित आदेश दिनांक 14-10-15 से पुनरावलोकन स्वीकार किया है मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 51 में व्यवस्था दी गई है—</p> <p>च. अपील - यदि पुनर्विलोकन का आवेदन खारिज कर दिया जाए तब धारा 46 के खंड (ख) के अनुसार कोई अपील नहीं हो सकेगी। परन्तु जब पुनर्विलोकन में किसी आदेश को फेरफारित कर दिया जाय अथवा उलट दिया जाये, तब संहिता की धारा 44 की उपधारा (3) के अनुसार प्रथम तथा द्वितीय अपीलें उसी प्रकार हो सकेंगी जिस प्रकार किसी मूल आदेश के विरुद्ध होती है। इस प्रकार की अपील में अपील न्यायालय केवल यह देख सकता है कि पुनर्विलोकन के आधारों में से एक या अनेक का अस्तित्व था या नहीं।</p> <p>स्पष्ट है कि संहिता की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत निगरानी उक्त नियमों के कारण प्रचलन-योग्य नहीं है। निरस्त की जाती है।</p>	<p>सिद्ध</p>